खो-खो जैसे स्वदेशी खेल भारतीय खेलों की आत्मा हैं - लोक सभा अध्यक्ष

(इंदौर में 8 -10 अप्रैल, 2016 को पहली महिला और तीसरी पुरुष एशियाई
खो-खो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है)

नई दिल्ली, 29 मार्च, 2016 : लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने मीडियकर्मियों को इंदौर में 8 -10 अप्रैल, 2016 को आयोजित की जा रही पहली महिला और तीसरी पुरुष एशियाई खो-खो प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी ।

देश में स्थानीय खेल परम्पराओं के महत्त्व के बारे में बताते हुए श्रीमती महाजन ने कहा कि खो-खो जैसे स्वदेशी खेल भारतीय खेलों की आत्मा हैं ।

मध्य भारत खो-खो संघ की अध्यक्ष, श्रीमती महाजन ने मीडिया को बताया कि भारत, बांग्लादेश, मलेशिया, नेपाल, पकिस्तान, सिंगापुर, साउथ कोरिया, श्रीलंका **की** आठ टीमें इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी । इंदौर में आयोजित की जा रही इस प्रतियोगिता में 350 से भी अधिक खिलाडी और अधिकारी शामिल होंगे ।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि 1936 में बर्लिन ओलंपिक्स में खो-खो खेल का प्रदर्शन किया गया था, श्रीमती महाजन ने इस बात पर जोर दिया कि इस खेल को एशियाई खेल प्रतियोगिता में शामिल किया जाना चाहिए जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं ।

यह जानकारी देते हुए कि मध्य भारत खो-खो संघ इस प्रतियोगिता का आयोजन एशियाई खो-खो परिसंघ और भारतीय खो-खो परिसंघ के साथ मिलकर कर रहा है, श्रीमती महाजन ने बताया कि भारत में केवल इंदौर में हैप्पी वांडरर्स क्लब में इंडोर खो-खो हॉल है ।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रतियोगिता से विशेष रूप से इंदौर में और कुल मिलाकर पूरे देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी ।